YOUTH TODAY

पंजाब केसरी
दिल्ली/जयपुर
मंगलवार, 27 सितंबर, 2016

# बर्लिन में छा गए दिल्ली के छात्र

ई प्रतियोगिता में ...नेशिया, नीदरलैंड, ...यतनाम और जर्मनी ...भाग लिया। भारत के 'पिक-अ-बुक' ...डल के जरिए यह ...अपने नाम ...ली



फोटो : श्रीकांत सिंह

...आयोजित की गई थी। बर्लिन में हुई प्रतियोगिता में भारत, इंडोनेशिया, नीदरलैंड, रोमानिया, वियतनाम और जर्मनी के छात्रों ने भाग लिया। भारत के छात्रों ने 'पिक-अ-बुक' बिजनेस मॉडल के जरिए यह प्रतियोगिता अपने नाम कर ली। छात्रों द्वारा बनाई गई इस वेबसाइट के जरिए पुरानी किताबें खरीदने के लिए छात्रों को बाजारों में चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इस वेबसाइट से छात्र पुरानी किताबें ऑनलाइन ही खरीद सकेंगे।

इस प्रतियोगिता में एमिटी इंटरनेशनल स्कूल-पुष्प विहार के 12वीं क्लास के पांच छात्रों ने हिस्सा लिया, यहां गौर करने वाली बात है कि ये सभी छात्र अलग-अलग विभाग से थे। इनमें यश गुप्ता, मनन राय (विज्ञान स्ट्रीम) निखिल कालिया, अंश अग्रवाल (कॉमर्स स्ट्रीम) और मेघा माथुर (आर्ट स्ट्रीम) से हैं।

ये छात्र 'पंजाब केसरी' के दफ्तर पहुंच कर अपने इस 'स्टार्टअप' की जानकारी तो दी है, साथ ही बर्लिन में हुए अपने अनुभव भी शेयर किए। छात्रों ने इस प्रोग्राम के बारे में बताया कि एक साल पहले इस प्रोग्राम की जानकारी मिली थी, जिसके बाद इंटर स्कूल प्रोतियोगिता हुई, जिसमें इन पांच बच्चों की टीम ने बाजी मारी थी।

'पिक-अ-बुक' ही मॉडल क्यों इसके पीछे छात्रों ने कहा कि इसके जरिए उनकी पढ़ाई में काफी मदद ... आधा कर देगा। छात्रों ने उदाहरण देते हुए कहा कि एक साल में छात्र को करीब 15 बुक चाहिए और इसका कुल खर्च करीब 9000 हजार रुपए आता है। छात्रों ने दावा किया कि इस वेबसाइट से छात्रों को काफी मदद मिलेगी। छात्रों ने अपने इस बिजनेस के बारे बताया कि पहले इसको देश के बड़े शहरों में शुरू किया जाएगा।

अपने बर्लिन अनुभव के बारे में छात्रों का कहना था कि विदेशों में भी भारत-पाकिस्तान के रिश्तों के बीच कड़वाहट के बारे में जानकारी है। रोमानिया के छात्र जानना चाहते थे कि ...

## क्या है 'पिक-अ-बुक' बिजनेस मॉडल

यह बिजनेस मॉडल खरीदार को फुटकर विक्रेताओं से पुरानी किताबें खरीदने की सुविधा देता है। छात्र यह कार्य दिल्ली के सभी पुराने पुस्तक फुटकर विक्रेताओं के साथ मिलकर करते हैं। इस तरह से ग्राहक अपने घर बैठे-बैठे ऑनलाइन ही किताब खरीद सकते हैं।



हम लगातार छात्रों के अंदर नवोन्मेष एवं उद्यमिता की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। जिससे कि वह ऐसी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लें।

-डॉ. अमिता चौहान, चेयरपर्सन एमिटी इंटरनेशनल स्कूल

**17 साल में ही बन गए इंटरप्रिन्योर 'पंजाब केसरी' के कार्यालय पहुंच कर शेयर किए अपना अनुभव**





Berlin main chaa gaye Delhi ke chatra